भीलवाड़ा फोकस

RNI No. : RJHIN/25/A0890

भीलवाड़ा की बात, फोकस के साथ.....

वर्ष - 02 | अंक - 67 | बिजौलिया - बुधवार,21 अक्टूबर,2026 | मूल्य - 1 रुपया | मो.- 86967 95959 | पृष्ठ - 4 | WWW.BHILWARAFOCUS.COM

हादसे में घायल बेटी को मंत्री ने खुद उठाकर अस्पताल पहुंचाया

भीलवाड़ा फोकस @ कोटा

सड़क हादसे में बाइक सवार पिता की मौत हो गई, जबकि उनकी बेटी घायल हो गई। हादसा कैथून थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर ताथेड़ डिपो के पास हुआ। इसी दौरान वहां से गुजर रहे ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने सड़क पर घायल पिता-बेटी को देखा तो तुरंत अपना काफिला रुकवाया और उनकी मदद के लिए आगे आए। मंत्री ने घायल युवती को खुद उठाकर अपने एस्कॉर्ट वाहन में बैठाया और अस्पताल भिजवाने की व्यवस्था की। रामराजपुरा निवासी बनवारीलाल मीणा अपनी बेटी सिमरन मीणा के साथ किसी काम से ताथेड़ आए थे। काम पूरा होने के बाद दोनों बाइक से गांव लौट रहे थे। इसी दौरान ताथेड़ डिपो के पास पीछे से आई ईको कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद पिता-बेटी सड़क पर गिर पड़े। हादसे के समय ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर पंचायत चुनाव के जनसंपर्क कार्यक्रम में जा रहे थे।

कार नहीं दिलाई तो ग्राइंडर से पिता का गला काटा, गुजरात से गिरफ्तार

भीलवाड़ा फोकस @ जयपुर।



नई कार खरीदने के लिए पैसे नहीं मिलने से नाराज बेटे ने अपने ही पिता की हत्या कर दी। महाराष्ट्र के पालघर में हुई इस घटना में राजस्थान के पाली जिले के देसूरी निवासी कारोबारी मोहनलाल परमार (59) की जान चली गई। पुलिस ने आरोपी बेटे मुकेश परमार (25) को गुजरात के भरूच से गिरफ्तार कर लिया है। घटना रविवार शाम करीब पांच बजे की बताई गई है।

मोहनलाल परमार पिछले करीब 30 वर्षों से महाराष्ट्र के पालघर में रह रहे थे और दादर में बर्तनों की दुकान चलाते थे। पुलिस के अनुसार, उनका बेटा मुकेश नई कार खरीदने के लिए पैसे मांग रहा था। पिता ने पैसे देने से इनकार किया तो दोनों के बीच विवाद हो गया। आरोप है कि झगड़े के बाद मुकेश हार्डवेयर की दुकान से इलेक्ट्रिक ग्राइंडर मशीन खरीदकर घर लौटा और उससे पिता पर हमला कर उनकी हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया।

फोन नहीं उठाने पर सामने आया मामला

घटना के समय घर में मोहनलाल और उनका बेटा मुकेश ही मौजूद थे। कारोबारी की पत्नी पवनी देवी अपनी सास की तबीयत खराब होने और नवरात्रि के कारण पैतृक गांव देसूरी आई हुई थीं, जबकि परिवार के अन्य दोनों बेटे दुकान पर थे। छोटे बेटे ने पिता को फोन किया, लेकिन जवाब नहीं मिलने पर अपने दोस्त को फ्लैट पर भेजा। वहां घटना का पता चला, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

पुलिस मौके पर पहुंची और मोहनलाल को अस्पताल भिजवाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सोमवार को पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। मंगलवार सुबह दोनों बेटे शव लेकर देसूरी पहुंचे, जहां अंतिम संस्कार किया गया। घटना के बाद परिवार और पैतृक गांव में शोक का माहौल है। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है।

रितु बराला केस में रात 11 बजे लाठीचार्ज, कांग्रेस कार्यकर्ताओं को खदेड़ा



भीलवाड़ा फोकस @ जयपुर।

एनएसयूआई की राष्ट्रीय सचिव रितु बराला से दिल्ली में कथित मारपीट और अभद्रता के मामले में कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन मंगलवार को भी जारी रहा। जयपुर पुलिस कमिश्नरेट में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली समेत कई नेता धरने पर बैठे रहे। कांग्रेस नेता राजस्थान में जीरो एफआईआर दर्ज करने की मांग कर रहे हैं। वहीं, रात करीब 11 बजे कमिश्नरेट के बाहर प्रदर्शन कर रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर पुलिस ने लाठीचार्ज कर उन्हें खदेड़ दिया। इस दौरान कई कार्यकर्ताओं के चोटिल होने की बात सामने आई है।

जीरो एफआईआर दर्ज करने की मांग पर अड़े डोटासरा

डोटासरा ने पुलिस अधिकारियों से कहा कि राजस्थान में दर्ज कराई जाने वाली शिकायत पहली एफआईआर होगी, जबकि दिल्ली में दर्ज मामले की विषयवस्तु अलग है। उन्होंने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 173(1) का हवाला देते हुए सवाल उठाया कि क्या इस मामले में राजस्थान में जीरो एफआईआर दर्ज हो सकती है। उन्होंने मांग की कि यदि ऐसा संभव नहीं है तो पुलिस लिखित में जवाब दे।

कांग्रेस नेता सोमवार शाम से कमिश्नरेट परिसर में धरने पर बैठे हैं।

मंगलवार को दिनभर बाहर भी कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया तथा नारेबाजी की। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच धक्का-मुक्की हुई। पुलिस ने बल प्रयोग कर प्रदर्शनकारियों को हटाया। शाम को वैभव गहलोत भी कमिश्नरेट पहुंचे।

जयपुर पुलिस ने एफआईआर दर्ज करने से किया इनकार

जयपुर पुलिस के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त कानून-व्यवस्था अजय सिंह ने कहा कि 13 अक्टूबर को दिल्ली में हुई घटना को लेकर कनॉट प्लेस थाने में मामला दर्ज है। रितु बराला की शिकायत भी उसी मामले में शामिल कर जांच की जा रही है। दूसरी ओर, डोटासरा ने पुलिस से दिल्ली में दर्ज एफआईआर की जानकारी दिखाने की मांग की।

गहलोत बोले, अब तेरी रगड़ाई हो रही है: बिना संघर्ष पद पाने वाले ढंग से काम नहीं कर सकते

भीलवाड़ा फोकस @ जयपुर।

राजस्थान की राजनीति में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की 'रगड़ाई' वाली टिप्पणी एक बार फिर चर्चा में है। जयपुर पुलिस कमिश्नरेट पर कांग्रेस नेताओं के धरने के दौरान गहलोत ने राजीव गांधी पंचायतीराज संगठन के प्रदेशाध्यक्ष सीबी यादव से कहा कि बिना संघर्ष के पद हासिल करने वाले लोग अपना काम सही ढंग से नहीं कर पाते।

दरअसल, दिल्ली में प्रदर्शन के दौरान एनएसयूआई की राष्ट्रीय सचिव रितु बराला के साथ कथित मारपीट के मामले में संबंधित महिला कांस्टेबल के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग को लेकर कांग्रेस नेता जयपुर पुलिस कमिश्नरेट पर धरने पर बैठे हैं। सोमवार रात गहलोत भी वहां पहुंचे और रितु बराला, सीबी यादव तथा विधायक रफीक खान से बातचीत की।

बातचीत के दौरान सीबी यादव ने टिकट नहीं मिलने और राजनीतिक प्रयासों का जिक्र किया। इस पर गहलोत ने कहा, 'अब तेरी रगड़ाई हो रही है न। मैं सालों से कह रहा हूं कि



बिना रगड़ाई के पद मिल जाए, तो व्यक्ति काम ढंग से नहीं कर सकता। एनएसयूआई, यूथ कांग्रेस और फिर कांग्रेस तक धक्के खाने पड़ते हैं, नारे लगाने पड़ते हैं और टिकट के लिए संघर्ष करना पड़ता है। मेरी रगड़ाई हो चुकी है। '

गहलोत की इस टिप्पणी को कांग्रेस की अंदरूनी राजनीति और युवा नेताओं के राजनीतिक सफर से जोड़कर देखा जा रहा है। इससे पहले जुलाई 2019 में भी गहलोत ने सचिन पायलट के संदर्भ में 'रगड़ाई नहीं होने' की बात कही थी। अब सीबी यादव से कही गई इसी तरह की बात के बाद राजस्थान के सियासी गलियारों में फिर चर्चा तेज हो गई है।

उदयपुर में बारिश, आमेट में ओले गिरे कपासन में आंधी से गिरा 71 फीट ऊंचा रावण



भीलवाड़ा फोकस @ उदयपुर

राजस्थान में मौसम का मिजाज बदलने से कई जिलों में बारिश और ओलावृष्टि हुई। मंगलवार को उदयपुर में करीब 15 मिनट तक बारिश हुई, जबकि राजसमंद जिले के आमेट में बारिश के साथ ओले गिरे। चित्तौड़गढ़ के कपासन में तेज आंधी के कारण 71 फीट ऊंचा रावण का पुतला जमीन पर गिर गया। वहीं, कुंभकर्ण और मेघनाद के 51-51 फीट ऊंचे पुतले भी झुक गए। बारिश के कारण तीनों पुतले भीग गए।

आंधी से गिरा रावण का पुतला

कपासन के पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्टेडियम में मंगलवार दोपहर करीब 3 बजे तेज आंधी आई। इसकी चपेट में आकर रावण का 71 फीट ऊंचा पुतला गिर गया, जबकि कुंभकर्ण और मेघनाद के पुतले झुक गए। करीब 20 मिनट बाद बारिश शुरू हुई, जो लगभग 20 मिनट तक चली। बारिश थमने के बाद नगर पालिका की ओर से क्रेन की मदद से रावण के पुतले को दोबारा खड़ा करने का प्रयास किया गया।

आमेट में ओलावृष्टि, मक्के की फसल भीगी

राजसमंद जिले के आमेट में मंगलवार दोपहर करीब 1 बजे बारिश के साथ ओले गिरे। लगभग 20 मिनट तक हुई बारिश से खेतों में काटकर रखी मक्के की फसल भीग गई। वहीं, उदयपुर में भी दोपहर के समय बारिश दर्ज की गई।

आगे भी बारिश की संभावना

प्रदेश के दक्षिण-पूर्वी जिलों में लगातार तीसरे दिन बारिश का दौर जारी रहा। सवाई माधोपुर में लगातार बारिश के कारण नदी-नालों में पानी का बहाव बढ़ गया। बारिश के चलते तापमान में गिरावट आई है, जिससे दिन और रात के समय ठंडक बढ़ गई। मौसम विभाग ने 7 जिलों में तेज बारिश का अलर्ट जारी किया है। आने वाले दिनों में भी प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश का दौर जारी रहने की संभावना जताई गई है।

झुंझुनूं में पिता की हत्या कर शव गड्ढे में छिपाया, दो बेटे गिरफ्तार

भीलवाड़ा फोकस @ झुंझुनूं

जिले के तारा का बास गांव में पिता की हत्या के मामले में पुलिस ने उनके दो बेटों को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि दोनों ने घरेलू विवाद के चलते अपने पिता जुगलकिशोर जांगिड़ (52) की गला घोंटकर हत्या कर दी। वारदात छिपाने के लिए शव को पेट्रोल डालकर जलाने की कोशिश की और फिर घर के पीछे गड्ढे में दबाकर ऊपर खेजड़ी की लकड़ियां डाल दीं। इसके बाद करीब सात दिन तक परिजनों और आसपास के लोगों को पिता के मुंबई जाने की बात कहते रहे।

सुलताना थाना पुलिस के अनुसार, जुगलकिशोर पहले मुंबई में रहकर फर्नीचर का काम करते थे। उनके दोनों बेटे शिव (32) और दीपेन्द्र (30) भी मुंबई में रहते थे। करीब एक साल पहले जुगलकिशोर गांव लौट आए थे। पुलिस के मुताबिक, शराब पीने के बाद गाली-गलौज को लेकर घर में अक्सर विवाद होता था। बताया गया कि 11 अक्टूबर को जुगलकिशोर परिवार के साथ गांव के जीणमाता मंदिर गए थे।

अमेरिका के नंबरों से राजस्थान में चला रहा था तस्करी का नेटवर्क, बाड़मेर से गिरफ्तार

भीलवाड़ा फोकस @ चित्तौड़गढ़



जिले में पुलिस नाकाबंदी तोड़कर अफीम डोडा चूरा से भरी स्कॉर्पियो छोड़कर फरार हुआ 20 हजार रुपए का इनामी तस्कर आखिरकार पुलिस के हत्थे चढ़ गया। निकुंभ थाना पुलिस ने ऑपरेशन त्रिनेत्र और नशा मुक्त चित्तौड़गढ़ अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया। पूछताछ के आधार पर पुलिस ने डोडा चूरा मंगवाने और खरीदने के मामले में एक अन्य आरोपी को भी बाड़मेर से गिरफ्तार किया है।

पुलिस जांच में सामने आया कि मुख्य आरोपी खेताराम बिश्नोई अमेरिका के अंतरराष्ट्रीय मोबाइल नंबरों का इस्तेमाल कर राजस्थान में तस्करी का नेटवर्क चला रहा था। वह सोशल मीडिया के जरिए अपने साथियों से संपर्क करता था। पुलिस अब दोनों आरोपियों से पूछताछ कर तस्करी में शामिल अन्य लोगों और मादक पदार्थों की आपूर्ति करने वालों का पता लगाने में जुटी है।

नाकाबंदी तोड़कर खेतों में भागे थे आरोपी

मामला 22 मई 2024 का है। निकुंभ थाना क्षेत्र में पुलिस ने नाकाबंदी कर रखी थी। इसी दौरान पुलिस ने एक स्कॉर्पियो को रोकने का प्रयास किया, लेकिन चालक नाकाबंदी तोड़कर भागने लगा। पुलिस ने पीछा किया और वाहन के टायरों पर गोली चलाई, जिसके बाद स्कॉर्पियो रुक गई। पुलिस के पहुंचने से पहले चालक और उसका साथी अंधेरे का फायदा उठाकर खेतों के रास्ते फरार हो गए।

स्कॉर्पियो की तलाशी में बड़ी मात्रा में अवैध अफीम डोडा चूरा मिला। इसके बाद से पुलिस दोनों आरोपियों की तलाश कर रही थी, लेकिन वे लगातार अपने ठिकाने बदलकर गिरफ्तारी से बचते रहे। जांच में पता चला कि तस्करी में इस्तेमाल की गई स्कॉर्पियो चोरी की थी। वाहन के इंजन और चेसिस नंबर के कुछ अंकों से भी छेड़छाड़ की गई थी, ताकि उसकी असली पहचान छिपाई जा सके। वाहन की वास्तविक पहचान का पता लगाने के लिए पुलिस को एफएसएल विशेषज्ञों की मदद लेनी पड़ी।

तीन पथ संचलनों का रेलवे स्टेशन पर हुआ 'त्रिवेणी संगम'

संघ के शताब्दी वर्ष पर सात नगरों के स्वयंसेवकों ने किया संचलन, जगह-जगह पुष्पवर्षा कर नागरिकों ने किया स्वागत

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष एवं विजयादशमी उत्सव के अवसर पर मंगलवार को भीलवाड़ा महानगर में तीन पथ संचलनों के माध्यम से अनुशासन, समन्वय और संगठनात्मक एकात्मता का प्रदर्शन किया गया। महानगर के सात नगरों के स्वयंसेवक तीन अलग-अलग स्थानों से पूर्ण गणवेश में पथ संचलन करते हुए निकले। अंबेडकर चौराहे और रेलवे स्टेशन क्षेत्र में तीनों संचलनों का संगम हुआ। इस दौरान शहर के प्रमुख मार्गों और चौराहों पर नागरिकों ने पुष्पवर्षा कर स्वयंसेवकों का स्वागत किया।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पहला पथ संचलन कृषि उपज मंडी, दूसरा हरि सेवा धाम और तीसरा राजेंद्र मार्ग विद्यालय से प्रारंभ हुआ। तीनों स्थानों से निकले स्वयंसेवक अनुशासित कदमताल करते हुए अपने निर्धारित मार्गों से आगे बढ़े। सुबह 10 बजकर 21 मिनट पर अंबेडकर चौराहा-रेलवे



स्टेशन क्षेत्र में तीनों संचलनों का संगम हुआ। अलग-अलग दिशाओं से आई स्वयंसेवकों की कतारें एक साथ मिलीं तो क्षेत्र में विशेष उत्साह का माहौल दिखाई दिया। इसके बाद सुबह 10 बजकर 26 मिनट पर गोल प्याऊ चौराहे से तीनों संचलन निर्धारित योजना के अनुसार अलग-अलग मार्गों पर आगे बढ़े।

पथ संचलन के दौरान सरकारी दरवाजा, गोल प्याऊ चौराहा, एमजी हॉस्पिटल, भीमगंज थाना, बड़ा मंदिर, बद्री विशाल मंदिर, शहीद चौक, झलकारी देवी चौराहा (सांगानेरी गेट), माली समाज नोहरा, ब्रज कोट के माताजी और माणिक्य नगर चौराहे सहित शहर के प्रमुख मार्गों से स्वयंसेवक गुजरे। भीमगंज थाना से एमजी हॉस्पिटल के मुख्य द्वार के बीच तीनों संचलनों की क्रमबद्ध आवाजाही भी आकर्षण का केंद्र रही। स्वयंसेवकों की लंबी कतारों और अनुशासित कदमताल को देखने के लिए मार्गों के किनारे लोगों की भीड़ जुटी रही।

जगह-जगह पुष्पवर्षा कर किया स्वागत

पथ संचलन के दौरान शहर के विभिन्न क्षेत्रों, बाजारों और प्रमुख चौराहों पर नागरिकों ने पुष्पवर्षा कर स्वयंसेवकों का अभिनंदन किया। संचलन के स्वागत के लिए लोग मार्गों पर एकत्रित हुए। स्वयंसेवक निर्धारित मार्गों पर समयबद्धता और अनुशासन के साथ आगे बढ़ते रहे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार संचलनों का समापन हरि सेवा धाम और राजेंद्र मार्ग विद्यालय में हुआ।

शताब्दी वर्ष में एकात्मता का संदेश

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के तहत आयोजित इस विशेष पथ संचलन में तीन अलग-अलग स्थानों से निकलकर एक निर्धारित क्षेत्र में संगम करने और फिर अलग-अलग मार्गों पर आगे बढ़ने की व्यवस्था आयोजन की प्रमुख विशेषता रही। विजयादशमी के अवसर पर हुए इस कार्यक्रम में स्वयंसेवकों की सहभागिता और नागरिकों की ओर से किए गए स्वागत ने आयोजन को विशेष स्वरूप दिया।

गंगापुर में धूमधाम से मनाया विजयादशमी पर्व, रावण ने घुमाई गर्दन तो आंखों-मुंह से निकले अंगारे

भव्य शोभायात्रा के बाद रावण, मेघनाद और कुंभकरण के पुतलों का दहन, आकर्षण का केंद्र रहे जीवंत झांकियों के कलाकार

भीलवाड़ा फोकस @ गंगापुर,

दिनेश लक्षकार। नगर सहित ग्रामीण अंचल में बुराई पर अच्छाई की विजय के प्रतीक विजयादशमी पर्व को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर पंचतीर्थ बालाजी मंदिर से गाजे-बाजे के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में राम दरबार, भगवान शिव और मां दुर्गा सहित विभिन्न धार्मिक झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए रावण दहन स्थल पहुंची।



शोभायात्रा में भगवान शंकर का स्वरूप धारण किए गौभक्त नंदकिशोर तेली ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया। रावण दहन स्थल पर भव्य आतिशबाजी के बाद भगवान श्रीराम के स्वरूप बने कलाकार ने बाण चलाकर रावण, मेघनाद और कुंभकरण के पुतलों का दहन किया। इस दौरान रावण के पुतले की गर्दन घूमने तथा आंखों और मुंह से अंगारे निकलने के विशेष प्रदर्शन ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया। रावण दहन देखने के लिए बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उमड़े।

इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष प्रीति लखन काकानी और उपाध्यक्ष रश्मि चौहान ने क्षेत्रवासियों को विजयादशमी की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने भगवान श्रीराम, लक्ष्मण, हनुमान, जामवंत और ब्रह्मा के जीवंत स्वरूपों में सजे कलाकारों का स्वागत एवं अभिनंदन किया। कार्यक्रम में नगर के गणमान्य नागरिकों, पार्षदों सहित पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

बड़लियास में तेज हवा के साथ झमाझम बारिश, चने के आकार के गिरे ओले, फसलें हुई जल मग्न तो कहीं जगह टूटे विद्युत लाइन के तार, जलभराव से लगा जाम

भीलवाड़ा फोकस @ सवाईपुर

(सांवर वैष्णव):- क्षेत्र के बड़ला, सोपुरा, खरेड़, बड़लियास कस्बे सहित आसपास के गांवों में मंगलवार दोपहर बाद अचानक मौसम ने करवट बदली और कुछ ही देर में आसमान में घने काल बादल छा गए, जो तेज हवा के साथ झमाझम बारिश का दौर शुरू हुआ, क्षेत्र में करीब पवन घंटे तक झमाझम बारिश का दौर चलने से गांव की गलियां दरिया बन गई । बारिश शुरू होने के साथ ही कुछ देर तक क्षेत्र में चने के आकार की ओले भी गिरे । बारिश के साथ चली तेज हवा से दुकानों के बाहर लगे होल्डिंग गिर गए,





वहीं कहीं जगहों पर पेड़ गिरने से विद्युत लाइन के तार भी टूट गए । झमाझम बारिश के चलते बड़लियास के विद्युत ग्रीड में भी पानी भर गया । बारिश से गलियों में करीब 1 फीट से अधिक पानी सड़कों पर बहने लगा, वही खेतों में मक्के की फसले पानी में तैरने लगी, इससे किसानों को काफी नुकसान हुआ, इस बे मौसम बारिश के होने से किसान वर्ग काफी चिंतित है, क्योंकि इस समय कई किसानों के खेतों में फसले सूखने के लिए पड़ी है, जो अब गीली हो चुकी है । वही बड़लियास में भैरु पिता लादू दरोगा के नोहरे की दिवारे धराशाई हो गई और तेज हवा से टीन शेड उड़ गए । वही सवाईपुर-बड़लियास मार्ग निर्माण कार्य चलने से जलभराव देखने को मिला, जल भराव में कई दुपहिया वाहन चालक पानी में गिर गए, तो सवाईपुर मार्ग पर कई बार जाम की स्थिति बनी, सूचना पर पहुंची बड़लियास पुलिस के दीवान बजरंगलाल मय जाप्ता ने वाहनों को निकालकर जाम को खुलवाया ।।

गेंदलिया में पैंतीस फिट रावण हुआ दहन, धूं-धूं कर जली बुरायी, मेले में उमड़ी भीड़



भीलवाड़ा फोकस @ सवाईपुर

(सांवर वैष्णव):- सवाईपुर क्षेत्र के गेंदलिया गांव में विजयादशमी पर्व पर पैंतीस फिट ऊंचे रावण दहन मंगलवार को दहन किया गया । सायं 5 बजे भगवान राम जी लक्ष्मण जी व हनुमान जी की सवारी मंदिर से ढोल नगाड़ों के साथ सवारी प्रारम्भ हुई, जो गांव के मुख्य मार्गो से होते हुए बस स्टेण्ड स्थित मेला प्रांगण में पहुची, जहा अखाड़ो का प्रदर्शन किया गया । वही राम-रावण, हनुमान के बीच युद्ध हुवा, अंत मे मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के द्वारा अग्नि तीर से अहंकारी रुपी रावण का दहन किया गया । शोभायात्रा में अखाड़ो का प्रदर्शन किया गया । दोपहर से ही मेला ग्राउंड में मेला भरा गया, जिसमें आसपास से बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ उमड़ी । मेले में गेंदलिया सहित आसपास के रेण, रेणवास, सोलंकियों का खेडा, बड़ला, खरेड, अड़सीपुरा, भाकलिया, जीत्या ,सुठेपा, आमा पीपली ,दांथल कांदा सहित दर्जनों गांवो के ग्रामीण महिला-पुरुष व युवक-युवतियां और बच्चे मेले में पहुंचे । साथ ही ग्रामीण महिलाओं व युवतियों ने मेले से घरेलू और जरुरत मद सामानों की जमकर खरीदारी की । इसी के साथ अखण्ड रामधुनी का समापन किया गया । इस दौरान बड़लियास थाने से एएसआई, बिट प्रभारी सहित पुलिस का जवान मौजूद रहा । दोपहर तीन बजे अचानक मौसम बदलाव आया और मेघ गर्जन, तेज हवाओं के साथ बीस मिनिट तक तेज बारिश हुई, जिससे परेशानी का सामना करना पड़ा और रावण का पुतला भी गिला हो गया ।।

ढ़ेलाणा में भैरुनाथ की ज्योत व झंडा निकाला



भीलवाड़ा फोकस @ सवाईपुर

(सांवर वैष्णव):- कस्बे के निकटवर्ती ढ़ेलाणा गांव में दशहरा के उपलक्ष पर मंगलवार को भैरुनाथ का झंडा व ज्योत निकाली गई, जो पूरे गांव में भ्रमण करने के बाद भैरुनाथ के मंदिर में पहुंचे । पुजारी गोवर्धन सिंह राठौड़ ने बताया की बुधवार को दशहरा के उपलक्ष पर चलाणिया भैरुनाथ का झंडा व ज्योत निकाली गई, जिसमें प्रातः 9:15 बजे डीजे व ढोल नगाड़े के साथ भक्तगण कोठारी नदी किनारे स्थित बन्नी के देवनारायण मंदिर पर पहुंचे, जहां से प्रातः 10:15 बजे भैरुनाथ की ज्योत व झंडा प्रारंभ हुआ, जो डीजे व ढोल नगाड़े के साथ बन्नी की माताजी, रावला चौक, शिव मंदिर, रड़ा के सगस जी मंदिर सहित गांव के विभिन्न मार्गो से होते हुए भैरुनाथ मंदिर पर पहुंची, जहां सुबह 1:15 बजे भैरुनाथ मंदिर पर झंडा चढ़ाया गया, शोभायात्रा में भक्तगण नाचते गाते हुए चले । इस दौरान देवनारायण, सगस जी, भैरुनाथ आदि कई देवी देवताओं के जयकारे लगाते हुए चले । इस दौरान होकम सिंह, सोहन दरोगा, रघुनाथ सिंह, बहादुर दरोगा, अंबालाल जाट, गोपाल सेन, शंकर सिंह, भेरू सिंह, रघुवीर सिंह, सत्यनारायण दरोगा, कैलाश दरोगा, प्रभुलाल जाट, नारायण जाट, विश्वराज सिंह, भवानी शंकर दरोगा, गणेश दरोगा, देवराज सिंह आदि कई मौजूद रहे । वहीं आसपास के कई गांवों में माताजी का नेजा निकाला गया ।।

अखाड़ा प्रदर्शन के साथ रावण दहन, आतिशबाजी से गूंजा दशहरा मैदान



भीलवाड़ा फोकस @ बीगोद।

अमित जैन

नगर में मंगलवार को नगर पालिका की ओर से दशहरा पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें हाथी-घोड़े, आकर्षक झांकियां और बजरंग व्यायामशाला के पहलवानों का अखाड़ा प्रदर्शन मुख्य आकर्षण रहे। देर शाम दशहरा मैदान में आतिशबाजी के बीच रावण, कुंभकरण और मेघनाद के पुतलों का दहन किया गया।

शोभायात्रा बालाजी चौक से रवाना होकर नृसिंह द्वारा होते हुए नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरी और बस स्टैंड पहुंची। शोभायात्रा में सजी-धजी झांकियों और हाथी-घोड़ों ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया। वहीं, बजरंग व्यायामशाला के पहलवानों ने अखाड़ा प्रदर्शन के दौरान विभिन्न करतब दिखाकर अपनी शारीरिक क्षमता, कला और शौर्य का प्रदर्शन किया। शोभायात्रा का नगर में जगह-जगह स्वागत किया गया। देर शाम दशहरा मैदान में आतिशबाजी के बीच रावण, कुंभकरण और मेघनाद के पुतलों का दहन किया गया। पुतला दहन के दौरान मैदान जयकारों से गूंज उठा। आतिशबाजी देखने के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीण और नगरवासी मौजूद रहे। इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष लोकेश नागौरी, बजरंग व्यायामशाला प्रमुख गोविंद सिंह कानावत सहित अनेक जनप्रतिनिधि, ग्रामीण और नगरवासी उपस्थित रहे।



QUICK BITES

पंचायत चुनाव: मतदान से पहले और मतदान के दिन रहेगा सूखा दिवस, जिला निर्वाचन अधिकारी ने जारी किए आदेश

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा, ।

पंचायतीराज संस्थाओं के चुनाव के मद्देनजर जिले में मतदान दिवस से पहले और मतदान के दिन सूखा दिवस लागू रहेगा। जिला निर्वाचन अधिकारी जसमीत सिंह संधू ने राज्य निर्वाचन आयोग के निर्धारित कार्यक्रम एवं वित्त (आबकारी) विभाग के निर्देशों की पालना में यह आदेश जारी किए हैं। इसके तहत संबंधित जिला परिषद एवं पंचायत समिति निर्वाचन क्षेत्रों के साथ उनके पांच किलोमीटर की परिधि में भी सूखा दिवस प्रभावी रहेगा।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि प्रथम चरण में कोटड़ी, जहाजपुर, खजूरी, मांडलगढ़, बिजौलिया, मांडल, करेड़ा, सुवाणा एवं बनेड़ा पंचायत समितियों में जिला परिषद एवं पंचायत समिति सदस्य पदों के लिए 22 अक्टूबर को मतदान होगा। इसके लिए 20 अक्टूबर शाम 6 बजे से 22 अक्टूबर शाम 6 बजे तक सूखा दिवस रहेगा। इसी चरण में वार्ड पंच एवं सरपंच पदों के लिए 24 अक्टूबर को मतदान निर्धारित है। इसके लिए 22 अक्टूबर शाम 6 बजे से मतगणना समाप्त होने तक सूखा दिवस लागू रहेगा।

द्वितीय चरण में रायपुर, सहाड़ा, शाहपुरा, फूलियाकलां, आसींद, शंभूगढ़ एवं हुरड़ा पंचायत समितियों में जिला परिषद एवं पंचायत समिति सदस्य पदों के लिए 28 अक्टूबर को मतदान होगा। इस चरण के लिए 26 अक्टूबर शाम 6 बजे से 28 अक्टूबर शाम 6 बजे तक सूखा दिवस घोषित किया गया है। वहीं, वार्ड पंच एवं सरपंच पदों के लिए 30 अक्टूबर को होने वाले मतदान के मद्देनजर 28 अक्टूबर शाम 6 बजे से मतगणना समाप्त होने तक सूखा दिवस प्रभावी रहेगा।

जिले की सभी 16 पंचायत समितियों के जिला परिषद एवं पंचायत समिति सदस्य पदों के मतों की गणना 20 नवंबर को की जाएगी। आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होंगे तथा पुनर्मतदान की स्थिति में संबंधित क्षेत्र में पुनर्मतदान के दिन भी प्रभावी रहेंगे।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि आदेशों की पालना सुनिश्चित कराने की जिम्मेदारी पुलिस अधीक्षक एवं जिला आबकारी अधिकारी को सौंपी गई है।

कुएं में गिरा दुर्लभ वन्यजीव, वन विभाग ने ग्रामीणों की मदद से किया सुरक्षित रेस्क्यू

भीलवाड़ा फोकस @ शाहपुरा

मूलचन्द पेसवानी



फूलियाकलां क्षेत्र में वन्यजीव संरक्षण की मिसाल देखने को मिली, जब फूलियाकलां से तसवारिया बांसा मार्ग पर स्थित एक कुएं में गिरे दुर्लभ वन्यजीव को वन विभाग की टीम ने ग्रामीणों की मदद से सुरक्षित बाहर निकाल लिया। रेस्क्यू के बाद वन्यजीव को जंगल में छोड़ दिया गया।

वनपाल नाका धनोप के प्रभारी योगेंद्र सिंह ने बताया कि मार्ग पर स्थित कुएं में एक वन्यजीव के गिरने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही उनके नेतृत्व में वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। कुएं में पानी भरा होने के कारण वन्यजीव को बाहर निकालना चुनौतीपूर्ण था। टीम ने मौके पर स्थिति का जायजा लिया तो पानी में एक दुर्लभ वन्यजीव दिखाई दिया, जिसे स्थानीय स्तर पर 'साही' नाम से बताया गया।

इसके बाद वन विभाग की टीम ने ग्रामीणों के सहयोग से रेस्क्यू अभियान शुरू किया। काफी सावधानी बरतते हुए वन्यजीव को सुरक्षित बाहर निकाला गया। रेस्क्यू के बाद उसे जंगल में छोड़ दिया गया।

रेस्क्यू अभियान में वन विभाग की ओर से योगेंद्र सिंह, कान्हा राम गुर्जर और भीमराज बलाई शामिल रहे। ग्रामीणों ने भी अभियान में सहयोग किया। टीम की तत्परता और ग्रामीणों के सहयोग से वन्यजीव को सुरक्षित बचाने में सफलता मिली।



सड़क, शिक्षा और चिकित्सा से जुड़े मुद्दों पर महन्ता मीणा ने रखे विचार

जिला परिषद वार्ड 40 से भाजपा प्रत्याशी के साथ भीलवाड़ा फोकस की विशेष चर्चा, ग्रामीण क्षेत्रों की बुनियादी सुविधाओं पर हुई बात

भीलवाड़ा फोकस @ शक्करगढ़।



पंचायतीराज चुनाव के बीच ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, शिक्षा, चिकित्सा, बिजली और पेयजल जैसी बुनियादी सुविधाएं चर्चा के प्रमुख विषय हैं। इसी क्रम में जिला परिषद वार्ड संख्या 40 से भाजपा प्रत्याशी महन्ता बसंत मीणा (बाकरा) के साथ भीलवाड़ा फोकस के संवाददाता सावरिया सालवी ने क्षेत्रीय समस्याओं और विकास की जरूरतों को लेकर बातचीत की। चर्चा के दौरान विभिन्न ग्रामीण मार्गों की स्थिति, शैक्षणिक एवं चिकित्सा संस्थानों में रिक्त पदों और मूलभूत सुविधाओं से जुड़े विषयों पर उनके विचार सामने आए।

ग्रामीण सड़कों की स्थिति का मुद्दा उठाया

बातचीत में महन्ता मीणा ने क्षेत्र के कई मार्गों की स्थिति में सुधार की आवश्यकता बताई। उन्होंने बाकरा से शक्करगढ़, शक्करगढ़ से बरोदा, बाकरा से टीटोड़ा जागीर, खेरूना से मेवासा, खजुरी से चेनपुरिया, आमलदा से भगुनगर, शक्करगढ़ से खजुरी और किशनगढ़ से शक्करगढ़ मार्गों का उल्लेख किया। उनके अनुसार, इन सड़कों की स्थिति बेहतर होने से ग्रामीणों के आवागमन में सुविधा हो सकती है। उन्होंने सड़क संबंधी समस्याओं को संबंधित विभागों के समक्ष उठाने और समाधान के लिए प्रयास करने की आवश्यकता जताई।

शिक्षा और चिकित्सा सेवाओं में सुधार पर जोर

चर्चा के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यालयों और चिकित्सा संस्थानों में रिक्त पदों का विषय भी सामने आया। महन्ता मीणा ने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक पदों पर नियुक्तियां होना महत्वपूर्ण है। इससे ग्रामीणों को स्थानीय स्तर पर सुविधाएं मिल सकती हैं और उन्हें सामान्य जरूरतों के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा।

बिजली और पेयजल की उपलब्धता पर चर्चा

ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली और पेयजल से जुड़ी समस्याओं को लेकर भी बातचीत हुई। महन्ता मीणा ने कहा कि इन बुनियादी सुविधाओं से संबंधित समस्याओं का समाधान जरूरी है। उन्होंने क्षेत्र की आवश्यकताओं के अनुसार संबंधित विभागों के माध्यम से समस्याएं उठाने और सुविधाओं में सुधार के लिए प्रयास करने की बात कही।

जिला परिषद के कार्यक्षेत्र से जुड़े मुद्दे अहम

बातचीत में जिला परिषद के अधिकार क्षेत्र में आने वाले विकास कार्यों और ग्रामीण आवश्यकताओं पर भी चर्चा हुई। महन्ता मीणा ने सड़क, शिक्षा, चिकित्सा सहित अन्य बुनियादी सुविधाओं से जुड़े विषयों को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने समस्याओं को संबंधित स्तर पर उठाने और उनके समाधान के लिए प्रयास करने की आवश्यकता जताई।

इस संवाद में वार्ड संख्या 40 के अंतर्गत आने वाले बाकरा, बेई, शक्करगढ़, बरोदा, तलोदा, भगुनगर, अमरगढ़, काबरी, टीटोड़ा जागीर और खेरूना सहित विभिन्न गांवों से जुड़े मुद्दों का उल्लेख किया गया।

जोगणियां माता शक्तिपीठ में शतचंडी महायज्ञ की पूर्णाहुति, वैदिक मंत्रों से गूंजा परिसर

11 लाख नवार्ण महामंत्र और सवा लाख गायत्री मंत्रों का हुआ जप, चतुर्वेद पारायण व कन्या पूजन के साथ नवरात्रि महोत्सव संपन्न

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा ।



जोगणियां माता शक्तिपीठ में शारदीय नवरात्रि महोत्सव का समापन पंचकुंडीय शतचंडी महायज्ञ की पूर्णाहुति के साथ हुआ। नौ दिवसीय आयोजन के दौरान वैदिक मंत्रोच्चार, देवी आराधना और विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों से शक्तिपीठ परिसर भक्तिमय बना रहा। महायज्ञ में आहुतियां अर्पित कर विश्वकल्याण, क्षेत्र की खुशहाली और जनमंगल की कामना की गई।

श्री जोगणियां माता शक्तिपीठ प्रबंध एवं विकास संस्थान के तत्वावधान में आयोजित महायज्ञ में मुख्य यजमान ठाकुर साहब बगतावर सिंह ने वैदिक विधि-विधान से आहुतियां अर्पित कीं। पूर्णाहुति के अवसर पर बेगूं विधायक डॉ. सुरेश धाकड़, बूंदी राजदरबार के वंशवर्धन सिंह राव हाड़ा, संस्थान अध्यक्ष सत्यनारायण जोशी और वरिष्ठ सलाहकार दलपत सिंह सांखला सहित श्रद्धालु मौजूद रहे।

नवरात्रि के दौरान 11 लाख नवार्ण महामंत्र जप, सवा लाख गायत्री महामंत्र जप, शतचंडी दुर्गासप्तशती पाठ और चतुर्वेद पारायण सहित कई अनुष्ठान हुए। वेद विद्यालय के शिक्षकगण और बटुकों ने ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद व अथर्ववेद का सस्वर पारायण किया। वैदिक विद्वान मदन काटिया के सान्निध्य में संपन्न अनुष्ठानों ने आयोजन को विशेष स्वरूप दिया।

इस दौरान श्रीमद् देवी भागवत कथा, श्रीरामचरितमानस अखंड पारायण, भगवती की विशेष पूजा और पुष्प सहस्त्रार्चन भी किए गए। गायत्री शक्तिपीठ मंदिर में मंत्र जप तथा हनुमानजी और खेड़पति बालाजी मंदिर में अखंड रामायण पाठ आयोजित हुआ। समापन अवसर पर कन्याओं को नवदुर्गा स्वरूप मानकर पूजन किया गया तथा चुनरी और नारियल भेंट कर सम्मानित किया गया। महोत्सव ने वैदिक परंपराओं, शक्ति उपासना और सनातन संस्कृति के संरक्षण का संदेश दिया।

कदमताल में दिखा अनुशासन, पुष्पवर्षा से हुआ स्वयंसेवकों का स्वागत

शाहपुरा में आरएसएस का विजयदशमी महोत्सव, शस्त्र पूजन के बाद निकला पथ संचलन

भीलवाड़ा फोकस @ शाहपुरा





मूलचन्द पेसवानी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से मंगलवार को शहर में विजयदशमी महोत्सव परंपरा, अनुशासन और संगठनात्मक एकजुटता के संदेश के साथ मनाया गया। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के खेल मैदान में आयोजित कार्यक्रम में नगर के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में स्वयंसेवक पारंपरिक गणवेश में एकत्र हुए। शस्त्र पूजन, घोष पूजन, ध्वज प्रणाम और सामूहिक प्रार्थना के बाद पथ संचलन निकाला गया। घोष की धुन पर एकसमान कदमताल करते स्वयंसेवकों की अनुशासित कतारें आकर्षण का केंद्र रहीं। शहर के विभिन्न मार्गों पर नागरिकों ने पुष्पवर्षा कर स्वयंसेवकों का स्वागत किया।

शस्त्र पूजन और ध्वज प्रणाम से हुआ शुभारंभ

विजयदशमी महोत्सव की शुरुआत पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ हुई। अतिथियों ने शस्त्र पूजन और घोष पूजन किया। इसके बाद भगवा ध्वज को प्रणाम कर स्वयंसेवकों ने संघ की प्रार्थना का सामूहिक वाचन किया। कार्यक्रम में सामाजिक एकता, पारिवारिक संस्कार, सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण और राष्ट्र के प्रति दायित्वों जैसे विषयों पर विचार रखे गए।

युवाओं के आदर्श और सांस्कृतिक चेतना पर जोर

समारोह के मुख्य वक्ता संघ के वरिष्ठ प्रचारक देवाराम ने अपने बौद्धिक संबोधन में हिंदू जागरण, संघ की स्थापना से अब तक की यात्रा और बदलते सामाजिक एवं वैश्विक परिवेश पर विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में यह तय करना आवश्यक है कि युवा पीढ़ी अपने आदर्श किसे मानती है और किन मूल्यों के आधार पर अपना भविष्य तैयार करती है। उन्होंने इंटरनेट और डिजिटल माध्यमों के बढ़ते प्रभाव का उल्लेख करते हुए कहा कि युवाओं को सही जानकारी, संस्कार और विवेकपूर्ण दृष्टिकोण देना परिवार तथा समाज की जिम्मेदारी है। उन्होंने भारतीय संस्कृति और सनातन परंपराओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने, वैचारिक स्पष्टता बनाए रखने तथा सामाजिक जीवन में संवाद को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता बताई।

पंच परिवर्तन और कुटुंब प्रबोधन को घर-घर पहुंचाने का आह्वान

वरिष्ठ प्रचारक देवाराम ने संघ के पंच परिवर्तन के विचार को घर-घर तक पहुंचाने पर जोर दिया। उन्होंने कुटुंब प्रबोधन के माध्यम से परिवारों में संस्कार, संवाद और आपसी संबंधों को मजबूत बनाने की बात कही। उन्होंने कहा कि परिवार केवल साथ रहने की व्यवस्था नहीं, बल्कि पीढ़ियों के बीच अनुभव, संस्कार और जिम्मेदारियों के हस्तांतरण का महत्वपूर्ण माध्यम है।

अपने संबोधन में उन्होंने पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी को प्रोत्साहन, सांस्कृतिक पहचान के प्रति जागरूकता और नागरिक कर्तव्यों के निर्वहन जैसे विषयों का भी उल्लेख किया। उन्होंने सामाजिक समरसता, परस्पर सम्मान और जातिगत भेदभाव से ऊपर उठकर समाज को एकजुट रखने की आवश्यकता बताई। उनके अनुसार सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन की शुरुआत व्यक्ति और परिवार से होती है तथा परिवारों में संस्कार और संवाद मजबूत होने से समाज में सामूहिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित होती है।

घोष की धुन पर निकला पथ संचलन, जगह-जगह हुई पुष्पवर्षा

बौद्धिक कार्यक्रम के बाद स्वयंसेवकों का पथ संचलन निकाला गया। निर्धारित मार्गों से गुजरते हुए स्वयंसेवकों की अनुशासित कतारें शहर के प्रमुख रास्तों से आगे बढ़ीं। घोष की धुन पर एकसमान कदमताल और गणवेश में सुसज्जित स्वयंसेवकों का दृश्य लोगों के आकर्षण का केंद्र रहा। मार्ग में विभिन्न स्थानों पर नागरिकों ने पुष्पवर्षा कर संचलन का स्वागत किया, जिससे शहर में उत्सवी माहौल नजर आया।

नगर कार्यवाह घनश्याम सिंह ने पथ संचलन और व्यवस्थाओं को लेकर स्वयंसेवकों को आवश्यक निर्देश दिए। संचलन के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए शाहपुरा थाना प्रभारी लीलाधर मालवीय के नेतृत्व में पुलिस जाप्ता तैनात रहा।

पदाधिकारियों ने जताया आभार

कार्यक्रम में विभाग कार्यवाह श्रवण ने भी संबोधित किया। नगर संघचालक कन्हैयालाल वर्मा ने उपस्थित अतिथियों, स्वयंसेवकों और आयोजन में सहयोग करने वालों का आभार व्यक्त किया। इस दौरान वरिष्ठ स्वयंसेवक दुर्गालाल जांगिड़, शंकरलाल तोषनीवाल, देवेंद्र बेली, कन्हैयालाल धाकड़, विनोद सनाढ्य सहित बड़ी संख्या में स्वयंसेवक मौजूद रहे।

शहर में आयोजित विजयदशमी महोत्सव में शस्त्र पूजन, सामूहिक प्रार्थना और पथ संचलन के माध्यम से संघ की परंपराओं का निर्वहन किया गया। वहीं, बौद्धिक संबोधन में हिंदू जागरण, पंच परिवर्तन, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी और सामाजिक समरसता जैसे विषय प्रमुख रहे। अनुशासित कदमताल और शहरवासियों की पुष्पवर्षा के बीच संपन्न हुआ पथ संचलन आयोजन का मुख्य आकर्षण रहा।

नवग्रह आश्रम में कैंसर रोगियों को दिया जागरूकता और हौसले का संदेश

समय पर जांच, प्रमाणित उपचार और सकारात्मक सोच को बताया महत्वपूर्ण

भीलवाड़ा फोकस @ शाहपुरा।

मूलचन्द पेसवानी। मोती बोर का खेड़ा, रायला स्थित श्री नवग्रह आश्रम में देशभर से आए कैंसर रोगियों को स्वास्थ्य जागरूकता, समय पर जांच और उपचार के प्रति सजग रहने की जानकारी दी गई। श्री नवग्रह आश्रम सेवा संस्था के प्रमुख हंसराज चौधरी ने रोगियों से संवाद कर उन्हें चिकित्सकीय सलाह का पालन करने और बीमारी का सामना धैर्य व हिम्मत से करने का संदेश दिया।



चौधरी ने कहा कि शरीर में किसी भी तरह के असामान्य बदलाव को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। समय पर चिकित्सकीय परामर्श और आवश्यक जांच से बीमारी की पहचान तथा उपचार में मदद मिल सकती है। उन्होंने संतुलित खानपान, नियमित दिनचर्या अपनाने और तंबाकू, गुटखा व धूम्रपान से दूर रहने की अपील की।

उन्होंने कहा कि कैंसर का पता चलने पर घबराने के बजाय चिकित्सकों के मार्गदर्शन में उपचार जारी रखना चाहिए। इस दौरान परिवार का सहयोग और भावनात्मक संबल भी रोगियों के लिए महत्वपूर्ण होता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी वैकल्पिक या पारंपरिक उपचार को अपनाने से पहले चिकित्सक से परामर्श लेना चाहिए तथा निर्धारित उपचार बिना सलाह के बंद नहीं करना चाहिए।

कार्यक्रम में पाली के समाजसेवी एवं वरिष्ठ पत्रकार डॉ. राजकमल पारीक भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर हंसराज चौधरी ने उन्हें उनकी कहानी तथा 'आयुष्मान भव आयुर्वेद एवं आकलन' पुस्तक के आठवें संस्करण की प्रति भेंट की।

वहीं, आश्रम की दर्शन गौशाला के संचालक महिपाल चौधरी ने गौशाला में देशी नस्लों की गायों के संरक्षण एवं संवर्धन से जुड़ी जानकारी दी। कार्यक्रम का उद्देश्य कैंसर रोगियों और उनके परिजनों को जागरूक करना तथा प्रमाणित उपचार, समय पर जांच और मानसिक मजबूती के प्रति प्रेरित करना रहा।

समाज व राष्ट्र से अज्ञान, अहंकार व आतंकवाद रूपी रावण को नष्ट करें-आचार्य रामदयालजी महाराज

अहंकार पर निरांकार की एवं अनीति पर नीति की जीत का नाम विजयादशमी

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा

राम ओर रावण दोनों शिवजी के उपासक थे ओर संपदा भी रावण के पास ज्यादा थी। राम में उपासना ओर रावण में वासना की प्रधानता थी। रावण ने नियत खराब की इसीलिए उसका अंत हुआ। राम निराभिमानी ओर रावण अभिमानी था। अहंकार पर निरांकार की जीत एवं अनीति पर नीति की जीत का नाम विजयादशमी है। असत्य पर सत्य की, अधर्म पर धर्म की, अंधकार पर प्रकाश की ओर वासना पर उपासना की जीत का पर्व होने से इसे विजयादशमी कहते है। ये विचार अन्तरराष्ट्रीय रामस्नेही सम्प्रदाय शाहपुरा के पीठाधीश्वर जगतगुरू आचार्य स्वामी श्रीरामदयालजी महाराज ने ''विश्व शांति कल्याण'' चातुर्मास के तहत मंगलवार को विजयादशमी पर चातुर्मासिक सत्संग में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि सत्ता, संपति, शक्ति एवं सौन्दर्य का सदुपयोग करने वाले राम की तरह घर-घर पूजे जाते है ओर दुरूपयोग करने वाले प्रतिवर्ष रावण के पुतले की तरह आग लगाए जा रहे है।

आचार्यश्री ने कहा कि रावण के पास सब कुछ था पर सत्ता, वरदान सबका दुरूपयोग करने से उसका अंत हुआ। जो नीति पर चलता वह राम ओर जो अनीति पर चलता वह रावण होता है। हर वर्ष नकली रावण जलाए जा रहे है जिस दिन घर परिवार, समाज, राष्ट्र, विश्व का असली रावण जल जाएगा उस दिन देश सुखी होकर सत्यम शिवम सुन्दरम बन जाएगा। उन्होंने कहा कि एक अरसे से यहीं क्रम चल रहा है आदमी आदमी को छल रहा है। रोज चौराहों पर सीता हरण हो रहा जबकि मुद्दतों से रावण जल रहा है। हमारे परिवार, समाज व राष्ट्र से अज्ञान, अहंकार, आतंकवाद रूपी रावण को नष्ट करना होगा ताकि व्यष्टिवाद से लेकर समष्टिवाद तक चैन की सांस ले सके।

आचार्य रामदयाल महाराज ने कहा कि हमारा भारत राष्ट्र शक्ति का राष्ट्र है। राम ने नौ दिन शक्ति की साधना के बल पर दसवें दिन दशमुखी रावण का वध किया पर शक्ति ने सौमुखी रावण का वध कर इतिहास कायम कर दिया। विजयादशमी क्षत्रिय पर्व है, इसदिन शस्त्र ओर शास्त्र पूजन होता है। शास्त्र आत्म कल्याण एवं शस्त्र राष्ट्र कल्याण का प्रतीक है। आचार्यश्री ने विजयादशमी पर राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ के स्थापना दिवस पर संघ के लिए मंगलभावनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि वह राष्ट्र की निष्काम सेवा में समर्पित ऐसी संस्था है जो देश में हर विपत्तिकाल में संकट का सामना करने में अग्रणी रही है। आरएसएस संस्थापकों के सपनों का भारत वहीं है जिसकी कल्पना हिन्दू संस्कृति के प्रबल प्रचारक स्वामी विवेकानंद ने की थी। संघ का नारा भारत के तीन निशान हिंदी, हिन्दू व हिन्दुस्तान राष्ट्रीयता का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि चातुर्मास का अंतिम प्रवचन 21 अक्टूबर बुधवार सुबह 9 बजे से होगा। इसके बाद रामस्नेही परम्परा के अनुसार चातुर्मास का विधिवत समापन होगा।



आचार्यश्री के प्रवचन से पूर्व रामस्नेही संत प्रीतमरामजी कोटा ने भजन की प्रस्तुति दी। प्रवचन के बाद चातुर्मासकाल में सराहनीय सेवाएं देने वाले राम साधना मण्डल ग्रुप के सदस्यों एवं श्रद्धालुओं का चातुर्मास समिति की ओर से आचार्य रामदयाल महाराज ने सम्मान किया एवं आशीर्वाद प्रदान किया। सम्मानित होने वालों में बालकृष्ण कांता सोमानी, भंवरलाल सरोज पोरवाल, अनिल सविता बिरला, विश्वनाथ हीरामणी शर्मा, देवकिशन चंदा सोनी, राजेन्द्र बिरला एवं ग्रुप, कमल किशोर तोषनीवाल, अशोक तोषनीवाल, राजीव सोड़ानी, चन्द्रप्रकाश मूंदड़ा, चन्द्रप्रकाश विजयवर्गीय, प्रहलाद जागेटिया, रामेश्वर बसेर, रोशनलाल असावा, देवीलाल तोषनीवाल, निधि शर्मा, पुष्पा काबरा, कृष्णा तोलम्बिया, सुमित्रा सोमानी, रेखा अजमेरा, उर्मिला सोनी, मंजू तोलम्बिया, रीतु शर्मा, सुमन गर्ग, शशि विजयवर्गीय, गायत्री देवी, मंजू समदानी, प्रेम तंबोली, रानी गर्ग, आशा गर्ग, कांता बाहेती, सविता सोनी, मंजू सोनी, नर्मदा हेडा, सुनीता लड्ढा, चंदा समदानी आदि शामिल थे।

पीढ़ियों की आस्था का प्रतीक है बीगोद की रामलीला

दिनेश संचेती 'दिनकर' बोले व्यवस्थाएं बदलती हैं, लेकिन संस्कृति की आत्मा नहीं; समारोह में कलाकारों का सम्मान

भीलवाड़ा फोकस @ बीगोद।

अमित जैन । परंपराएं समय के साथ अपने स्वरूप में बदलाव देखती हैं, लेकिन उनकी सांस्कृतिक आत्मा पीढ़ियों को अपनी जड़ों से जोड़े रखती है। बीगोद की ऐतिहासिक रामलीला इसी परंपरा का प्रतीक है, जिसने वर्षों से धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक विरासत को जीवंत बनाए रखा है। नगर की प्राचीन रामलीला का समापन उत्साह और गरिमामय समारोह के साथ हुआ। इस अवसर पर 'दिनकर संदेश' के प्रधान संपादक दिनेश संचेती 'दिनकर' ने कहा कि रामलीला महज एक मंचीय प्रस्तुति नहीं, बल्कि बुजुर्गों से मिली ऐसी विरासत है, जिसे सहेजना आने वाली पीढ़ियों की जिम्मेदारी है।

समारोह की अध्यक्षता नवनिर्वाचित नगरपालिका अध्यक्ष लोकेश कुमार नागोरी ने की। बीगोद थानाधिकारी जय सुल्तानसिंह और नगरपालिका उपाध्यक्ष अमृता लोकेश सिंधी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस दौरान संचेती परिवार के सदस्य भी मंचासीन रहे।

काशी के कलाकारों और पुराने रामलीला साधकों का सम्मान

समारोह का प्रमुख आकर्षण उन कलाकारों का अभिनंदन रहा, जिन्होंने रामलीला की परंपरा को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। दिनेश संचेती 'दिनकर' के स्वर्गीय माता-पिता केसरसिंह संचेती और प्रेमदेवी संचेती तथा बहन स्वर्गीय श्रीमती कमलाजैन की स्मृति में 'दिनकर संदेश' परिवार की ओर से वर्तमान में रामलीला मंचन करने वाली वाराणसी की रामलीला कमेटी के कलाकारों और वर्षों तक निस्वार्थ भाव से सेवा देने वाली श्री आदर्श रामलीला कमेटी, बीगोद के वरिष्ठ कलाकारों का सम्मान किया गया।

इस अवसर पर वाराणसी की रामलीला कमेटी के प्रमुख राघवेंद्र शर्मा और बीगोद की आदर्श रामलीला कमेटी के प्रमुख सत्यनारायण सोडाणी का विशेष अभिनंदन किया गया। सम्मान समारोह के माध्यम से रामलीला की परंपरा को जीवित रखने वाले कलाकारों के योगदान को सराहा गया।

आर्थिक संकट के समय लिया था रामलीला जारी रखने का संकल्प

मुख्य वक्ता दिनेश संचेती 'दिनकर' ने रामलीला से जुड़े पुराने प्रसंग साझा करते हुए बताया कि करीब 13 वर्ष पहले आर्थिक कठिनाइयों के चलते रामलीला दो वर्षों तक स्थगित रही थी। उस समय गांव के प्रबुद्धजनों ने उन्हें इस स्थिति से अवगत कराया। इसके बाद उन्होंने संकल्प लिया कि धन के अभाव में बीगोद की रामलीला को दोबारा रुकने नहीं दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि इस जिम्मेदारी को निभाना उनके लिए बोझ नहीं, बल्कि सेवा का अवसर रहा। इस कार्य में धर्मपत्नी मधु संचेती और पुत्र मनीष, विकास एवं वैभव सहित पूरे परिवार का सहयोग और प्रेरणा उनकी ताकत बनी। उन्होंने ग्रामीणों से मिले स्नेह, आत्मीयता और सहयोग के लिए भी आभार व्यक्त किया।

अखंड रामधुनि से दशहरा महोत्सव तक, बीगोद की अपनी पहचान

संचेती ने बालाजी के चौक स्थित बाला साहब के मंदिर पर उनके परिवार की ओर से दस वर्ष पूर्व दशहरे के दिन स्वर्ण कलश चढ़ाने की परंपरा का उल्लेख किया। इसके बाद आयोजित छप्पनभोग सहित विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों में ग्रामवासियों के सहयोग और सहभागिता को भी याद किया।

उन्होंने कहा कि बालाजी के चौक में प्राचीन समय से चली आ रही अखंड रामधुनि और दशहरे पर होने वाली पूर्णाहुति बीगोद की धार्मिक पहचान को विशेष स्वरूप प्रदान करती है। ग्रामवासियों की सामूहिक भागीदारी से पूरा क्षेत्र मानो अयोध्याधाम जैसा भक्तिमय हो उठता है।





पुलिस और नगरपालिका प्रशासन की सराहना

दिनेश संचेती ने आयोजन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने और धार्मिक सौहार्द कायम रखने के लिए थानाधिकारी जय सुल्तानसिंह तथा पुलिसकर्मियों की सराहना की। नगरपालिका प्रशासन की ओर से मुख्य अतिथि संचेती का साफा और माला पहनाकर स्वागत किया गया। वहीं श्री आदर्श रामलीला कमेटी की ओर से दिनेश संचेती 'दिनकर', नगरपालिका अध्यक्ष लोकेश कुमार नागोरी और थानाधिकारी जय सुल्तानसिंह का साफा पहनाकर तथा माला अर्पित कर अभिनंदन किया गया।

समापन अवसर पर संचेती ने कहा कि नई और विस्तृत नगरपालिका व्यवस्था के बीच बीगोदवासियों ने उन्हें और प्राचीन परंपरा को जो सम्मान दिया है, वह अमूल्य है। व्यवस्थाओं में बदलाव समय का स्वाभाविक क्रम है, लेकिन पुरानी सांस्कृतिक धरोहरों का सम्मान बनाए रखना समाज का दायित्व है। उन्होंने इस परंपरा को सम्मान देने के लिए नगरपालिका प्रशासन की सराहना की।

देर रात तक चले समारोह का समापन 'सियावर रामचंद्र की जय' और 'पवनसुत हनुमान की जय' के गगनभेदी जयकारों के साथ हुआ। कार्यक्रम का संचालन भूपेश कृपलानी ने किया।

QUICK BITES

आसींद में नौ दिवसीय नवरात्रि महोत्सव का समापन, गरबा प्रतियोगिता में प्रतिभाओं ने बिखेरी चमक

भीलवाड़ा फोकस @ आसींद।



शारदीय नवरात्रि के नौ दिनों तक कस्बे और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में भक्ति, आस्था और उत्सव का माहौल बना रहा। मंदिरों में पूजा-अर्चना, दुर्गा पंडालों में धार्मिक आयोजन और गरबा की प्रस्तुतियों के बाद महोत्सव का समापन मां दुर्गा की प्रतिमाओं के विसर्जन के साथ हुआ। इस दौरान गाजे-बाजे और डीजे की धुनों के बीच निकली शोभायात्रा में श्रद्धालु माता के जयकारे लगाते हुए शामिल हुए। कस्बे के प्रमुख मार्गों पर जगह-जगह पुष्पवर्षा कर शोभायात्रा का स्वागत किया गया।

नवरात्रि के समापन अवसर पर मां दुर्गा की प्रतिमाओं के साथ निकली शोभायात्रा ने पूरे कस्बे को भक्तिमय कर दिया। विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए जुलूस अंतरराष्ट्रीय सवाई भोज मंदिर परिसर स्थित प्रेम सागर तालाब पहुंचा। यहां वैदिक मंत्रोच्चार के बीच श्रद्धालुओं ने नम आंखों से मां दुर्गा को विदाई दी और प्रतिमाओं का विसर्जन किया। विसर्जन के दौरान श्रद्धालुओं में उत्साह के साथ भावुकता भी नजर आई।

गरबा प्रतियोगिता में विजेताओं को मिला सम्मान

सुखाड़िया मार्केट स्थित मां दुर्गा युवा मंडल की ओर से आयोजित गरबा महोत्सव का समापन प्रतियोगिता के साथ हुआ। आयोजन में बालिकाओं और महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में संरक्षक अभय सिंह शक्तावत और सीआई श्रद्धा पचौरी सहित अन्य गणमान्यजन मौजूद रहे।

प्रतियोगिता के सीनियर बालिका वर्ग में मोनिका राठौड़, छोटी बालिका वर्ग में राज किरण शर्मा तथा महिला वर्ग में शिवानी सोनी ने प्रथम स्थान हासिल किया। अतिथियों ने विजेताओं को ट्रॉफी और आकर्षक उपहार देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर आयोजन समिति के सदस्य मनोज सेन, बलवंत सिंह, सूरज सिंह सांखला, लोकेश सिंह, रवि बंजारा और अमित वैष्णव सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मंच संचालन शुभम सोनी ने किया।

रामनगर में डांडिया महोत्सव की धूम, 56 भोग और महाआरती रहे आकर्षण का केंद्र

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा ।



शहर के रामनगर में नवयुवक मंडल की ओर से आयोजित डांडिया महोत्सव उत्साह और सांस्कृतिक उल्लास के साथ संपन्न हुआ। आयोजन में डांडिया की आकर्षक प्रस्तुतियों के साथ 56 भोग और महाआरती विशेष आकर्षण रहे। धार्मिक परंपराओं और सांस्कृतिक गतिविधियों के बीच युवाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने प्रतिभागियों की प्रस्तुतियों की सराहना की।

समारोह में पूर्वांचल जन चेतना चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक रजनीश वर्मा, स्टेट फेडरेशन ऑफ यूनेस्को एसोसिएशन इन राजस्थान के प्रदेश संयोजक गोपाल लाल माली तथा मणि एजुकेशन सोसाइटी की सचिव अनुराधा झा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अतिथियों ने विधिवत पूजा-अर्चना कर महाआरती में भाग लिया। इसके बाद 56 भोग की धार्मिक परंपरा निभाई गई। डांडिया में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। अतिथियों ने उनकी कला, मेहनत और उत्साह की सराहना करते हुए आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

रामनगर नवयुवक मंडल के अध्यक्ष बबलू सिंह प्रकाश गुर्जर के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत-सत्कार किया गया। मंडल के युवाओं ने आपसी सहयोग से आयोजन की व्यवस्थाएं संभाली और कार्यक्रम को सफल बनाया। इस दौरान राहुल गुर्जर, हरीश गुर्जर, देवा गुर्जर, हितेश गुर्जर और सक्षम गुर्जर सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने सक्रिय भूमिका निभाई।

महोत्सव के समापन पर आयोजकों ने प्रतिभागियों और सहयोगकर्ताओं का आभार जताया।

नला माताजी मंदिर में नवरात्रि महोत्सव संपन्न, दानपात्र से मिले 1.04 लाख

भीलवाड़ा फोकस @ बिजौलिया।



नला का माताजी मंदिर में शारदीय नवरात्रि महोत्सव का समापन मंगलवार को हवन-पूर्णाहुति और कन्या पूजन के साथ हुआ। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन में आहुतियां अर्पित कर क्षेत्र की खुशहाली की कामना की गई। इसके बाद कन्याओं को भोजन कराकर उपहार भेंट किए गए।

इस अवसर पर मंदिर ट्रस्ट की ओर से दानपात्र खोला गया। सदस्यों की मौजूदगी में दानराशि की गणना करने पर कुल 1 लाख 4 हजार 63 रुपए प्राप्त हुए। इस दौरान ट्रस्ट अध्यक्ष शंकर लाल सहित शांतिलाल धाकड़, रोहित, देवीलाल धाकड़, भगवान कराड, प्रकाश गुर्जर, राजमल मीणा, जीतमल धाकड़, मोडू राम धाकड़, शंकर मेहता, नंदा कराड, रघुनाथ कराड, शंकर धाकड़ और अर्जुन मीणा मौजूद रहे।

स्वत्वाधिकारी एवं प्रकाशक कपिल विजयवर्गीय के लिए मुद्रक वेदान्त प्रभाकर मेधा कप्यूटर्स एण्ड ऑफसेट प्रिन्टर्स नंदभवन, बड़े पार्क के पास, कांवाखेड़ा भीलवाड़ा (राज.)से मुद्रित व मकान न. - 1 ए - धानमंडी योजना, कोर्ट केसामने बिजौलिया , भीलवाड़ा (राज.) से प्रकाशित। संपादक - श्याम सुन्दर विजयवर्गीय । मो. 8696795959, RNI No. : RJHIN/25/40890 किसी भी प्रकार के वाद विवाद का न्याय क्षेत्र बिजौलिया जिला - भीलवाड़ा ही रहेगा।